कोरोना महामारी में राजनीति और मीडिया की भूमिका

Smt. Raban Khudabaksh Mulla

Assist.prof.

Dept.of Hindi

D. P .Bhosale College Koregaon, Dist Sa**tara**

Email:- halloraban@gmail.com

कोरोना महामारी एक जानलेवा खतरनाक वैश्विक बिमारी है | इस समय हमारा पूरा भारत देश भी इसके चपेट में आ गया है | सरकार की दिशानिर्देश के अनुसार हमारे देशवासी नियोमो का अनूपालन कर रहे है | और साथ ही वे एक योद्धा बनकर इसका मुकाबला कर रहे है | दीन – ब - दीन इस महामारी का प्रादुर्भाव बदलता ही जा रहा है | सब लोग इसके अतंक में जी रहे हे | इसके रोकथाम के लिये २४ मार्च २०२० से हमारा देश लॉकडाउन की स्थिति में है | इससे मजदूर गरीब लोगो कीस्थिति या गासदी बन गई हे | सरकारने लोगो की जमघट (समूह) होने पर पाबंदी लगा दी है | इस महामारी से बचने के लिए लोक सामाजिक दुरी बनाये रखते हुये घर में रहकर ही अपने स्वास्थ का खयाल रख रहे है | इस महामारी के आगे अमेरिका, फ्रान्स, स्पेन, इटली आदी कई प्रगत राष्ट्रओ ने अपने घुटने टेक दिये है | एक चिटी भांति दररोज लोग मर रहे हे | इस महामारी से छुटकारा पाने के लिए किसी भी देश मे कोई दवा उपलब्ध नही है | इस समय हमारा देश भी कोरणा महामारी के संकट से जूडा रहा है | ऐसी आपत्कालीन स्थिती मे लोगो को उचित दिशा निर्देशन करणे का और उन्हे राहत देणे का काम हमारी सरकार करती | अत: देशहित में राजनीति और मीडिया की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती है | कहा जाना है की कोई विकास चिरस्थायी तभी हो जाती है जब उसकी नीव गहरी और मजबूत हो | अत : इस प्रपत्र में कोरोना महामारी के चपेट में आयी नई दिल्ली की तबलीगी जमात निजामुद्दीन मरकज का घटना को केंद्र में रखकर हमारे देश की राजनीति और मीडिया की अहम भूमिका को विविध पहलुओ मै अभिव्यक्त कर निम्न बिंदुओ पर प्रकाश डालणे का प्रयास किया है|

कोरोना महामारी के चपेट तबलीगी जमात निजामुद्दीन मरकज

मीडिया के शब्दो मै आज बात कर रहे है सबसे हॉट स्पॉट मरकज निजामुद्दीन की जो नई दिल्ली में तबलीगी जमात का मुख्यालय है | दिल्ली के अरविंद केजरीवाल सरकार और केंद्रीय गृहमंत्रालय दोंनो सोते रहे और राजधानी दिल्ली में जानलेवा संक्रमण

 Copyright ⓒ 2020 Authors

के बावजूद चार हजार लोक जमात में जुटे रहे | हर दर्जे की यह लापरवाई कितनी मेहंगी पडी यह अभि सामने भी नही आयी| जमात से शामिल लोगों के साथ कोरोना के संक्रमण की २०राज्य में और कई केंद्रशासित प्रदेश मे पहुँचा और तेलंगणा मै ५ की मौत हुई| १ एप्रिल २०२० को दिल्ली मै आतमी मरकज बिल्डिंग से २३६१ लोग बाहर निकाले ६१७ को अस्पताल भेज दिया| बाकी को क्वारंटाईन सेंटर भेजा गया | इस समय तबलीगी जमात के अमीर (मुखिया) साद मुहम्मद डो व्हिडिओ व्हायरल हुए इस में धर्मांध मौलाना साद ने मूर्खता भरी बाते की |इसका आशय यह था की ‘मस्जिद अल्लाह का घर है |यहा आने से बिमारी कैसे आ सकती है| बल्कि बिमारी से मुक्ति पाने के लिए मज्जित में आना चाहिए| मस्जिद छोड देना मुसलमानों के खिलाप साजिश है|

तबलीगी जमात से आये लोगों को ट्रेस करणे के लिए बडे पैमाने पर जाँच अभियान चलाया गया |इस काम में कुछ धर्मांध आडे आ गये | यु. पी. के बिजनौर के एक मस्जिद में इंडोनेशिया से आये आठ सदस्य को कथित रूप छिपाने पर उनपर मुकदमा दायर दिया|

मध्यप्रदेश के इंदोर में ५० से जादा मामले आये| २६ इलाके सिल कर दीये| 20 मार्च को राणीपुर में स्क्रेनिंग के लिये स्वास्थ्य विभाग की टीम गई| वहाँ के निवासीयो ने उनके मुँह पर पानी फेका| बिहार के इलाके में भी पोलीस प्रशासन की टीम पर फायरिंग और पत्थर फेके गये |

नई दिल्ली के मरकज से लेकर हर राज्य मे हुई लापरवाही की कहानी देश के लिए एक बडी समस्या बन गई |

तबलीगी जमात के लोगों के फर्जीबाडे, उनके करोना संक्रमनों के मामले,उनका देश के दूरन्दराजवाते इलाके में जाना इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और कई राज्य यह सब लपेट में आ गये थे | केंद्र सरकार व राज्य सरकार के बीच आये लेटर, एस.एम.एस से पता चलता है कि उन्हे यह सब पता था | तेलंगणा में हुए संक्रमनों ने दिल्ली कमात में हिस्सा लिया था |

पता चलने पर केंद्रीय गृहमंत्रालय की ओर से सभी राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों को एक चिट्ठी लिखी थी | इसमे तबलीगी जमात के विदेशी ८८४ सदस्यों की पहचान और उनकी स्क्रीनिंग की जाए फिर उन्हे क्वारंटाईन किया किया जाये | हो सके तो उन्हे |वापस भेजा जाये| राज्य को बताना चाहिये की दस दिन से पहले आये इस लेटर का कितनी गंभीरता से अंमल किया | 28 मार्च एक और लेटर केंद्रीय गृहमंत्रालय ने राज्यों के नाम लिखा था| इसमे तबलीगी जमात में आये २००० विदेशी सदस्य टुरिस्ट हिल पर है| वे बांगलादेश, इंडोनेशिया, मलेशिया, थायलंड से आये है | हो सकता है वे कोरोना संक्रमण के पोटॅनशियल को कॅरी कर सकते है | आशंका है इन लोगों के चलते संक्रमण फेल सकता है | इसमें यह भी लिखा था, 27 फरवरी से १ मार्च तक मलेशिया की राजधानी कॉलमपर्ण में हुए धार्मिक कार्यक्रम में शामिल लोगों में कोरोना पॉजिटीव पाये गये | जमात के लिए मलेशिया से आये लोगों की स्क्रेनिंग की जाये | यह धार्मिक कार्यक्रम मलेशिया हुई तबलीगी जमात थी | दक्षिण पूर्वी एशिया मे संक्रमण फैलने की ज्ञान को बडी वजहो में से एक माना जा

 Copyright © 2020 Authors

रहा है |कम से कम आधा दर्जन देशो में सामने आये मामलों को मलेशिया को जोडकर देखा जा रहा है |इस जमात से दिल्ली मे हुई जमात मे लोक भारत आये | यहाँ लापरवाही स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से हुई |

द हिंदू अखबार में विजेता सिंग की एक रिपोर्ट छपी थी |इसमें गृहमंत्रालय के आधार पर बनाया गया था | एक जनवरी 2020 के बाद २१०० विदेशी नागरिक तबलीगी से जुडे कामों के चलते भारत आये|ब्युरो ऑफ निग्रेशन ने विदेशी से आनेवाले लोगों की जानकारी राज्यों के साथ शेअर करना शुरू कर दी थी | गृह मंत्रालय के २१ और २८ मार्च के खतों से पहले देश के कई राज्यों में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय कंट्रोल रूम को यह बताया था कि उनके यहा मिल रहे कोरोना संक्रमण के पॉझिटिव मामलो का संबंध निजामुद्दीन की मरकाज में हो रहे आयोजन से हो सकता है | लेकिन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इन संदेशों का कोई जवाब नही दिया | जनता कर्फ्यू के एक दिन पहले २१ मार्च को कश्मीर प्रशासन ने स्वास्थ्य मंत्रालय कंट्रोल रूम को यह बताया ६५ साल का एक कोरोना संक्रमित मरिज के बारे में यह बात सामने आयी कि यह मरीज १५ फरवरी से अंदमान निकोबार, दिल्ली, यू.पी. के देवबंद और जम्मू कश्मीर के श्रीनगर तक घुमा था | इसी बात को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय को २१ मार्च के दिन एक अर्जंट लेटर भेजा गया | इसमें आशंका बताई गई थी कि मरीज को संक्रमण थायलंड या मलेशिया से आये तबलीगी सदस्यों से मिलने से हो सकता है | यह शख्स तकरीबन १५००० लोगों से मिला |बस, रेल,फ्लाईट से चला | इसके परिवार के ८ सदस्य कोरोना पॉझिटिव पाये गये | मेडिकल स्टाफ के १४ सदस्य ने इस मरीज का श्रीनगर के अस्पताल मे इलाज किया | उन्हे क्वारंटाईन किया है | यह दिल्ली मे हुई तबलिगी जमात में शामिल सिर्फ एक शख्स से जुडी जाणकारी है | इससे पता चलता है की एक लापरवाही कितनी महंगी पडती है |

एक और बात तबलिगी जमात में आये लोग टुरिस्ट व्हीजा पर भारत आते है | उनके पास कुछ जरूरी कामकाज होने पर उन्हे भारत में व्हीजा मिलता है | जबकी केंद्रीय गृह मंत्रालय पहले से ही यह गाईड भाईन जारी कर चूका है | कि टुरिस्ट पर भारत आये लोग धर्म का प्रचार ना करे | किसके लिए अलग से मिशनरी व्हीजा मिलता है, लेकिन तबलीगी जमात में आये कम से कम ८२४ विदेशी नागरिक ऐंसे थे जिंहोने धर्म का प्रचार किया; जो टुरिस्ट व्हिजा पर आये थे | अपने सचिव राजीव नौवाल ने राज्यों के मुख्य सचिवो के साथ बैठक की |इसमें कई राज्यों को आदेश दिया गया | तबलीगी में शामिल सभी लोगों को ट्रेस किया जाए और संक्रमण के लिये जाँच हो | काश यह निर्देश यह जागना सरकारों का थोडा पहले होता |

कोरोना महामारी में मीडिया और राजनीति की भूमिका

किसी भी देश की उन्नती उस देश के नेतृत्व और उनकी सक्षमता पर निर्भर करती है | इसमें मीडिया और राजनीति की भूमिका अहम होती है | जनता और सरकार के बीच यह सेतू है जो जनता के लिये यथार्थ का संवाहक और प्रेरणा स्तंभ होता है |

 Copyright © 2020 Authors

देशहित की भावना रखते हुए वे सच्चाई को प्रस्तुत करते है |इनकी वाणी लोग कान लगाकर सुनते है और इनपर विश्वास रखते है |इनपर जनता की आस्था और निष्ठा टिकी रहती है | जब देश में आपातकालीन स्थिती हो तब इन्हे बडी सर्तकता से अपने कदम रखने पडते है |अत: मीडिया और राजनीति के उपर्ययुक्त विवेचन द्वारा कोरोना महामारी में मीडिया और राजनीति की भूमिका को संक्षेप में निम्न बिंदुओ से उजागर करणे का प्रयास किया है |

अर्धसत्य कथन करना

तबलीगी जमात निजामुद्दीन मरकज एक आंतरराष्ट्रीय मुसलमानों की मरकज है | दुनिया भर में तबलीगी जमात के बीच इसकी हैसियत एक तीर्थस्थल जैसी है |इस जमात के लोग ४०दिन,२ महीने, ६ महीने था १ वर्ष के शहर- गाँव में जाकर अल्लाह के पैगाम को लोगो तक पहुँचाने का काम करते है | और शेष समय मे धर्मग्रंथो की पढाई करते है |इस उद्देश्य से जमात की और से साल में एक बार इज्तीमा (जलसा) का आयोजन निजामुद्दीन मरकज में मार्च २०२० और पूर्णसत्य कैसे हो सकता है? आदि सभी प्रश्न के उत्तर आज तक क्यों नही दिये गये ? वे लोग वही कैसे फँस गये या उन्हे हो सकता है फसाया गया हो |आदि बातो में अर्धसत्यता लक्षित होती है | इस बारे मे क्या उन्हे मीडिया वही प्रश्न हरबार दोहराती है जो उसे पुछने होते है | और सरकार वही बात सुनती है जो उसे सुनना होता है |

सरकार और पोलीस प्रशासन की जिम्मेदारी और लापरवाही को नजर अंदाज करना

ऐसा निरंतर बताया जाता है की देश मे पॉजिटीव के मामले केवल तबलीगी जमात के कारण बढ गए है | इसके पूर्व विदेश से भारत नही आये थे क्या ? कहा जाता है कि पुलिस थाना हजरत निजामुद्दीन दिल्ली का सबसे बडा पुलिस थाना है |यह मरकज से केवल ५० मीटर की दूरी पर है | इनके दरम्यान केवल एक दीवार है | इतना ही नही इस थाने में एक विशेष विभाग कार्यरत है जो सिर्फ मरकज में आनेवाले शख्स पर नजर रखता है |इनके पास मरकज में आने जाने वाले लोगों का पुरा रेकॉर्ड रहता है |इसके बावजूद पोलीस प्रशासन ने उचित कार्यवाही क्यों नही की ? हो सकता है उन्हे रुकने के लिये मजबूर किया गया हो | मीडिया का कथन है - इस समय केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनो सोते रहे और जानलेवा संक्रमण के खतरे के बावजूद ४००० हजार लोग जमात में जुटे रहे | क्या वे दोषी नही है | इनकी कोई गलती नही है | तबलीगी जमात को इनकी बातो कों भी गलती के रूप में सिद्ध किया जाता है | इनके खिलाप तुरंत एफ. आर. आय. दर्ज होता है | इनपर मुकदमा चलता है इन्हे तुरंत जेल भेजा जाता है | लेकिन इनके गैर जिम्मेदारी और इतनी बडी लापरवाही को नजरअंदाज किया जाता है |इसका अर्थ है इन्हे सब अधिकार है, जो जैसा चाहे वे कर सकते है |

 Copyright ⓒ 2020 Authors

मजहब का गलत इस्तेमाल करना

विदेश से जब लोग भारत आते है तब इनके लिए पोलीस बडी मुस्तैदी से सारा इंतजाम करती है |कोरोना संक्रमण को रोकने का प्रयास करती है | पर तबलीगी जमात के लिये कुछ भी प्रयास क्यो नही करती है | यदि मौलाना साद की गलती है तो इसके लिये मुस्लिम समुदाय जिम्मेदार क्यो होता है | कोरोना महामारी मे गैर जिम्मेदार होने वाले और लापरवाही करने वालों के प्राण कतई कटूवचन नही होते है और नही इनके नामों का जिक्र होता है | परंतु जमात के लोगों के लिए सिर्फ बूरा ही बोला नही जाता बल्की इनपर कई दोष जुडे दिये जाते है |इनके के लिये आपातकालीन स्थिती पर आधारित बहस एक साधन है साध्य नही | केवल धर्म की प्रतिमा को दूषित किया जाता है| जैसे इस महामारी में केवल तबलिगी जमात को दोशी समजकर उनपर दबाव डालना, निजामुद्दीन मरकज के लिये हॉट स्पॉट कहना| | इनकी पुरी बात तक न सुनना, उन्हे माफी मागणे के लिए मजबूर करना ,और कोरोना के जंग में जमात का आघात, दोन बॉटने वाला दर्द बॉटता है | जैसे शीर्षकों का जानबुझकर प्रयोग कर किसी के धर्म को ठेस पहुँचाना| आदि ऐसी कई बाते और स्थल है जिणका गलत इस्तेमाल किया जाता है | अभी लॉकडाऊन में मुंबई के बांद्रा स्टेशन में अधिक संख्या में जमा हुए श्रमिकों की त्रासदी हो या पालघर मे आदिवासी द्वारा हिंदू संतो को मारना हो इसके लिये मुस्लीम समुदाय को ही बदनाम किया गया| हकिकत मे अपनी गलती को इनके नाम थोप दिया जाता है | इस दौर में देश में कोई घटना होती है तो इन के लिए मुस्लिम ही शक के दायरे में होता है | एक और मीडिया का कथन है देश की इस समस्या को बडा करने मे सब नंगे है | फिर बताईये क्यो किसी एक के ही कपडे उतारे जाते है ? क्यो दूसरों ने कपडे नही पहने है | अपने पद एव अधिकार के बल पर धर्म का मजाक उडाना क्या यह सब समीचीन है ? सूत्रधार तो परदे के पीछे होते है | वो दिखाई नही देना या उसे दिखलाया नही जाना | अत: देशप्रेम और ईश्वरप्रेम कि सीख देनेवाले इनकी नजर में दोषी और गलत है | इससे प्रतीत होता है की हिंदू- मुस्लिम में दरारें निर्माण करने के लिए जानबूझकर मजहब का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है |

उपसंहार

इस समय हमारा देश कोरोना महामारी जैसे खतरनाक जानलेवा संकट से गुजर रहा है | इस समय हमे सबदेश एकजुट होकर , सब धर्म के लोगों को मिलकर इस भयावह बिमारी का सामना करना है | देश को इस संकट से मुक्त करना है |यह हिंदू-मुस्लीम मजहब का मसला नही है | मजहब का गलत इस्तेमाल कर अपनी बदप्रवृत्ती दर्शा रहे है | आज हमारे देश में मजदूर,श्रमिक और गरीब लोगों के हालात देखे जाये तो पता चलता है कि इनकी स्थितिया बहुत त्रासद और दर्दनाक है | समय रहते ही इनके लिये हमने क्या किया है |एक ओर हमारी सरकार और मिडिया अपने देश के लिये अच्छे विचार और अच्छे कर्म को दर्शाती है | तो दुसरी ओर कई ऐसे चैनल है जिसमे हिंदू - मुस्लिम धर्म से जुडी बातों का निरंतर जिक्र रहता है | यह सुनकर कभी ऐसा लगता है कि हम भारत में नही पाकिस्तान में है |

 Copyright © 2020 Authors